अरूण जेटली
वित्त एवं कार्पोरेट कार्य मंत्री
भारत

Arun Jaitley
Minister of Finance and Corporate Affairs
India

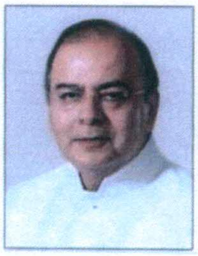

सत्यमेव जयते

<u>संदेश</u>

हिंदी दिवस के अवसर पर मेरी शुभकामनाएं।

"चार कोस पर पानी बदले, आठ कोस पर बानी" वाले भारतवर्ष के लिए महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था। बहुसंख्य लोगों द्वारा बोली-समझी जाने वाली इस भाषा में ही देश को एकसूत्र में पिरोने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। लोकतांत्रिक देश होने के नाते राष्ट्र की सभी भाषाओं का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। हमारे बहुभाषी देश में सामाजिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक एकता कायम करने के लिए हिंदी ही एकमात्र ऐसी भाषा है जो इस भूमिका को भलीभांति निभा सकती है। इसीलिए, संविधान निर्माताओं ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा दिया। संविधान तथा राजभाषा अधिनियम के प्रावधानों का उद्देश्य है कि राजभाषा हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग संघ के कार्यकलापों में हो।

हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में अनेक कार्यक्रम/समारोह आयोजित किए जाने की परंपरा है। नि:संदेह, इन कार्यक्रमों से हिंदी में कार्य करने का माहौल बनता है और हमें हिंदी में कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। इस संबंध में, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि कार्यालयों में हिंदी का प्रयोग केवल एक दिवस या पखवाड़े तक ही सीमित न रखें बल्कि इसे विस्तार देकर आप समस्त सरकारी कार्य प्रक्रियाओं में भी हिंदी को स्थान दें। निश्चय ही, हिंदी हमारे स्वाभिमान का प्रतीक है अत: पूरे उत्साह, सम्मान और गर्व से इसे अपनाएं।

आइए, हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम सभी अपना अधिकाधिक कार्य हिंदी में करने के अपने सांविधानिक और नैतिक दायित्व को निभाने का संकल्प लें।

(अरूण जेटली)

Office : 134, North Block, New Delhi-110001, Tel. : 23092810, 23092510 Fax : 23092828
Residence : 2, Krishna Menon Marg, New Delhi-110011, Tel. : 23794990, 23794556 Fax : 23794543